Printed from
नवभारत टाइम्स
Navbharat Times - Breaking news, views. reviews, cricket from across India

केएमपी की राह में रफ्तार का रोड़ा

5 Dec 2010, 0400 hrs IST

प्रदीप नरूला ॥ गुड़गांव

कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट के नोडल ऑफिसर ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव को लेटर लिखकर जानकारी दी है कि इस प्रोजेक्ट के समय से पूरा होने की संभावना बहुत कम है। उन्होंने कारण बताते हुए लिखा है कि इस प्रोजेक्ट पर बहुत धीमी गति से काम चल रहा है। दूसरी तरफ निर्माण करने वाली कंपनी ने फिर दावा किया है कि वर्ष 2011 तक पहला चरण पूरा कर लिया जाएगा। पहले चरण में पलवल से मानेसर तक का काम पूरा करना है। इसमें एनएच-2 और 8 को आपस में जोड़ने की योजना है।

राज्य सरकार की ओर से प्रोजेक्ट की देखरेख के लिए नियुक्त नोडल ऑफिसर आर. के. कटारिया (डिप्टी कमिश्नर) ने इस दावे को झूठा बताया है। हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट कॉरपोरेशन (एचएसआईआईडीसी) की ओर से केएमपी की डिवेलपमेंट का कॉन्ट्रैक्ट एक कंपनी को दिया गया है। लगभग 135.6 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेस-वे को जून, 2009 तक पूरा होना था और इसकी डिवेलपमेंट पर लगभग 1915 करोड़ रुपये खर्च होने थे। एक्सप्रेस-वे पर 5 फ्लाईओवर, 62 पेडस्ट्रियन, 31 कैटल क्रॉसिंग, 27 अंडरपास, 2 ट्रक और बस-वे के अलावा 4 रेलवे ओवरब्रिज बनने हैं। कंपनी की ओर डिवेलपमेंट की समयावधि 3 बार बढ़ाई जा चुकी है। पहले इसकी डेडलाइन अक्टूबर 2010 की गई और अब मार्च, 2011 में पहला चरण पूरा करने का वादा किया जा रहा है। एक्सप्रेस-वे के निर्माण में लगातार हो रही देरी को देखते हुए राज्य सरकार ने डिप्टी कमिश्नर को आदेश जारी किए हैं कि वे प्रतिमाह इस प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस रिपोर्ट भेजें। शुक्रवार को ही नोडल ऑफिसर की ओर से इसकी प्रोग्रेस रिपोर्ट तैयार कर चीफ सेक्रेटरी को भेजी गई है।

क्या कहते हैं नोडल ऑफिसर

नोडल ऑफिसर व डिप्टी कमिश्नर आर. के. कटारिया के अनुसार, कंपनी ने इसके पहले चरण का कार्य मार्च, 2011 तक पूरा करने का दावा किया है। लेकिन जिस गति से काम चल रहा है, उससे तय समय में पहला चरण पूरा नहीं हो पाएगा। उनका कहना है कि इस पूरे प्रोजेक्ट में 4 रेलवे ओवरब्रिज हैं, जो पटौदी, फर्रुखनगर, बहादुरगढ़ व सोनीपत में हैं। कंपनी को हाल ही में रेलवे से हरी झंडी मिली है। इसे बनाने में लगभग 1 साल और लग सकता है। जमीनी हकीकत यह है कि जिस गति से केएमपी पर काम चल रहा है, वह साल 2012 तक भी पूरा नहीं हो पाएगा। यह प्रोजेक्ट बीओटी पर आधारित है। निर्माण के बाद निर्माणाधीन कंपनी इस पर 23 साल 9 महीने तक टोल टैक्स वसूल करेगी।

इस आर्टिकल को फेसबुक पर शेयर करें।
इस आर्टिकल को ट्वीट करें।

देश-दुनिया की खबरें विडियो में। देखने के लिए क्लिक करें।

About Us | Advertise with Us | Terms of Use | Privacy Policy | Feedback | Sitemap
Copyright © 2010 Bennett Coleman & Co. Ltd. All rights reserved. For reprint rights: Times Syndication Service
This site is best viewed with Internet Explorer 6.0 or higher; Firefox 2.0 or higher at a minimum screen resolution of 1024x768